ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-२८
दिनांक- मंगलवार, ५ मई, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३१.३ एवं २०.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ७२ प्रतिशत, हवा की औसत गति १०.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २७.० एवं दोपहर में ३१.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ३०.६ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(०६-१० मई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ०६ -१० मई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। ६ मई के सुबह तक तराई के कुछ क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। बाकी अन्य सभी जिलों में ६ से ८ मई के बीच आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। उसके बाद तेज हवा के साथ वर्षा की संभावना में वृद्धि हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३३ से ३५ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २२-२४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १५-१८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- विगत कुछ दिनों में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा हुई है, जिसके चलते निचले खेतों में जल का जमाव हो गया है। अतः किसान भाई अपने खेतो से जल निकासी की व्यवस्था करें, ताकि खेत की जुताई गुड़ाई हो सके।
- सामान्य सलाह- कोरोना वायरस के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए कम से कम ६ फीट की शारीरिक दूरी बनाकर खेतो में कृषि कार्य करें साथ ही मॉस्क अथवा गमछा, रुमाल से मुँह को ढ़क लें। पशुशाला में प्रवेश के पूर्व साबुन से हाथ धोएँ।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद डाले। किसान भाई हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्मों तथा अदरक की मरान एवं नदिया किस्मों के बीज की व्यवस्था करें। १५ मई से हल्दी एवं अदरक की बुआई कर सकते हैं। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- रबी फसल की कटाई के बाद अगर खेत में बरसात का पानी जमा हो तो उसकी निकासी कर खाली खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सुर्य की तेज धुप मिट्टी में छिपे किड़ों के अण्डे, प्युपा एवं घास के बीजों को नष्ट कर दें। खरीफ धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे।
- मूंग एवं उरद् का पीला मोजैक विषाणु द्वारा उत्पन्न होने वाला विनाशकारी रोग है जो सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा प्रसारित होता है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियाँ तथा फलियाँ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड १७.८ एस० एल०/०.३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- कद्दुवर्गीय फसल को लाल भृंग कीट से काफी नुकसान होता है। इसके पीठ का रंग नारंगी लाल तथा अधर भाग का रंग काला होता है। इसके शिशु फसल की जड़ को तथा व्यस्क पत्तियों एवं फुलों को हानी पहुचाते है। इससे बचाव के लिए डाइक्लोरवाँस ७६ ई०सी० का १ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से घोलकर छिड़काव करे।
- किसान भाई भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट द्वारा काफी नुकसान होता है। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियों पर चिपककर रस चुसते है। अधिकता की अवस्था मे पत्तियों पर छोटे-छोटे घब्बे उभर जाते है और पत्तियाँ पीली तथा पौधे कमजोर हो जाते है जिससे फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड ०.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन / १.५ से २ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई-गुड़ाई करें।
- किसान भाई सभी दुधारू पशुओं को गलघोटु एवं लंगड़ी बीमारीयों से बचने के लिए टिका लगायें। हरे चारा के लिए ज्वार या मीठा ज्वार एवं मक्के की अफ्रिकन टॉल प्रभेद लगावें। ज्वार के साथ दलहनी चारा जैसे- मेथ, हाईब्रीड मेथ या लोबिया जरूर लगावे।

आज का अधिकतम तापमानः २६.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ६.१ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १६.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.३ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी